‘काकोरी ट्रेन कांड’अब ‘काकोरी ट्रेन एक्शन’

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास के एक अहम् अध्याय **‘काकोरी कांड’** का नाम बदलकर **‘काकोरी ट्रेन एक्शन’** कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- इसका नाम इसलिये बदल दिया गया क्योंकि **‘कांड’** शब्द भारत के स्वतंत्रता संग्राम के तहत इस घटना के अपमान की भावना को दर्शाता है।
- काकोरी ट्रेन एक्शन एक ट्रेन डकैती थी, जो **9 अगस्त, 1925 को लखनऊ के पास काकोरी नामक गाँव** में ब्रिटिश राज के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारियों द्वारा की गई थी।
- इस डकैती कार्यवाही को **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन** के क्रांतिकारी **राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खान, राजेंद्र लाहिड़ी, केशव चक्रवर्ती, मुकुंदी लाल, बनवारी लाल** सहित 10 क्रांतिकारियों ने अंजाम दिया था।
- गौरतलब है कि स्वतंत्रता सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खान और रोशन सिंह को 19 दिसंबर, 1927 को काकोरी डकैती में शामिल होने के लिये फाँसी पर लटका दिया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kakori-train-case-now-kakori-train-action